



SAGAR



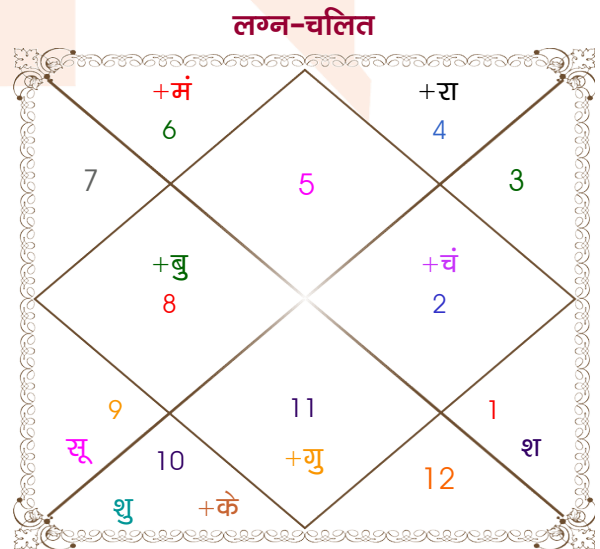
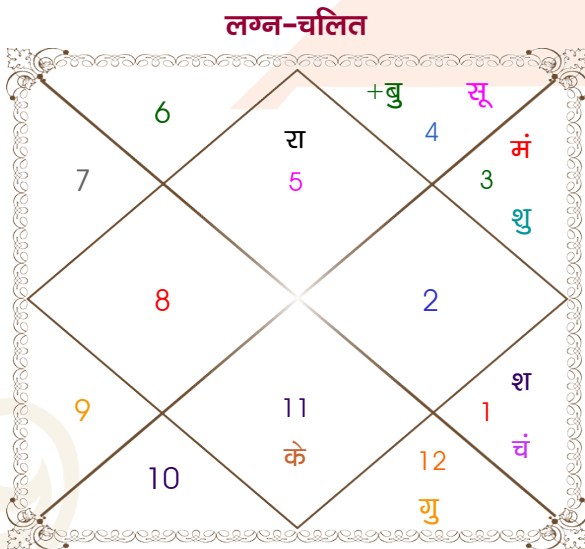
SHRADHA

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121881203

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
17/07/1998 :	जन्म तिथि	: 31/12/1998
शुक्रवार :	दिन	: गुरुवार
घंटे 08:10:00 :	जन्म समय	: 21:10:00 घंटे
घटी 07:34:09 :	जन्म समय(घटी)	: 36:26:39 घटी
India :	देश	: India
Patna :	स्थान	: Sihora
25:37:00 उत्तर :	अक्षांश	: 23:30:00 उत्तर
85:12:00 पूर्व :	रेखांश	: 80:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:10:48 :	स्थानिक संस्कार	: -00:09:24 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:08:20 :	सूर्योदय	: 06:51:10
18:41:56 :	सूर्यास्त	: 17:33:32
23:50:05 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:25

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 3वर्ष 5मा 0दि	09:11:34	सिंह	लग्न	सिंह	04:21:16	मंगल 5वर्ष 7मा 1दि
सूर्य	00:30:25	कर्क	सूर्य	धनु	15:54:42	गुरु
16/12/2021	06:49:25	मेष	चंद्र	वृष	26:01:23	03/08/2022
17/12/2027	13:23:15	मिथु	मंगल	कन्या	24:22:12	03/08/2038
सूर्य	05/04/2022	27:11:14	कर्क	वृश्चि	26:56:46	गुरु
चन्द्र	04/10/2022	04:13:25	मीन	कुंभ	28:02:58	शनि
मंगल	09/02/2023	03:07:40	मिथु	मक	01:06:26	बुध
राहु	04/01/2024	09:02:22	मेष	मेष	02:55:52	केतु
गुरु	22/10/2024	08:15:15	सिंह व	राहु व	कर्क	शुक्र
शनि	04/10/2025	08:15:15	कुंभ व	केतु व	मक	सूर्य
बुध	11/08/2026	17:36:16	मक व	हर्ष	मक	चन्द्र
केतु	16/12/2026	07:07:10	मक व	नेप	मक	मंगल
शुक्र	17/12/2027	11:42:06	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	राहु
					15:15:43	03/08/2038



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

SAGAR का वर्ग सिंह है तथा भूत। का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार SAGAR और भूत। का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

SAGAR मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

भूत। मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

SAGAR तथा भूत। में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।